नाट्य प्रदर्शन अधनियिम, 1876

[स्रोत: इंडियिन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में, **प्रधानमंत्री** ने पुराने और अप्रचलति कानूनों को नरिस्त करने के सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए,**नाट्य प्रदर्शन अधनियिम, 1876** का संदर्भ दयिा।

- यह कानून **अंग्रेज़ों द्वारा उभरती भारतीय राष्ट्रवादी भावना पर अंकुश लगाने** के लयि बनाए गए कानूनों में से एक था।
- संवधिान का **अनुच्छेद 372 स्वतंत्रता-पूर्व कानूनों को लागू रहने की अनुमत देता है,** लेकनि औपनविशकि कानूनों में **संवैधानकिता की धारणा का अभाव** है, जसिके कारण चुनौती दयि जाने पर सरकार को बचाव की आवश्यकता होती है।
- **नाट्य प्रदर्शन अधनियिम, 1876 ने** सरकार (ब्रटिशि) को "सार्वजनकि नाट्य प्रदर्शनों पर प्रतबिंध लगाने" की शक्तयिाँ दीं, जो नदिनीय, अपमानजनक, राजद्रोही या अश्लील हैं।
    - इस अधनियिम को इलाहाबाद [उच्च न्यायालय](#) **ने *?????? ????? ????? ???? ???? ????? ??????, 1956*** में असंवैधानकि घोषति कयिा था। अप्रचलति कानूनों को हटाने के सरकार के प्रयास के तहत वर्ष 2018 में इस कानून को औपचारकि रूप से नरिस्त कर दयिा गया था।
- [वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट, 1878](#) और [1870 का राजद्रोह कानून](#) इस अवधि के दौरान **राष्ट्रवादी गतविधियिों को दबाने** और औपनविशकि शासन के वरिोध को दबाने के लयि बनाए गए कठोर कानूनों में से थे ।

और पढ़ें: [प्रेस, नयितकालकि पत्रकिा रजसि्ट्रीकरण वधियक, 2023](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dramatic-performances-act,-1876